UGC NET Paper

www.Fillerform.info

Unit-3

Hindi and English-03

Comprehension:

Read the following passage carefully and answer questions from 11 to 15.

It has to noted that, although certain overall results had been obtained in the matter of economic growth in the developing countries regarded as a group, little progress had been made towards the establishment of the new international economic order within the framework of negotiations among nations for the purpose of applying the principles adopted in 1974 by the United Nations General Assembly. The situation appeared to be marked by a slowing down at world level in the effort to find a solution to most of the major problems, due to certain inability to control the evolution of societies and economies, and a fairly widespread feeling of uncertainty as to the future. The changes which have occurred between 1978 and 1980 have only magnified the difficulties, so that today there is much talk of deterioration in the international situation. This is immediately apparent in regard to inequalities between human beings, whether considered as individuals or groups or nations. Overall economic disparities have not been attenuated. In many countries, per capita gross national product remains less than $ 300,while in others it is situated at levels ten, twenty or even thirty times higher than this amount. In some rich countries, the average income is a hundred time higher than in the poorest countries. Particularly drastic is the state of penury, destitution and , all too often, homelessness of those populations that may be regarded as history's most recent rejects: the disinherited masses of the poorest countries. In these countries, whose economic situation is particularly critical, the problems of hunger, disease and ignorance experienced by a large part of the population seem to all but paralyse efforts made to copy with them.

11.) Whom do you call as history's recent rejects?

Options:-

(A) Homeless population

(B) Ignorant population

(C) Rich countries

(D) Large part of population

12.) What was the purpose of principles adopted by the United Nations General Assembly?

Options:-

(A) Obtaining results in the economic growth of developing countries

(B) Permitting negotiations among nations

(C) Establishing a new international economic order

(D) Considering developing countries as a group

13.) What is apparent due to the changes occurred between 1978 and 1980?

Options:-

(A) Inequality between human beings

(B) Reduction in poverty

(C) Support of rich countries

(D) Plan adjustment

14.) What is the consequence due to the little progress made by nations during negotiations?

Options:-

(A) Uncertain future

(B) Evolution of Societies

(C) Control of Economies

(D) UN intervention

15.) How economic disparities are reflected?

Options:-

(A) Collectivising individuals into groups or nations

(B) Average income of some countries is a hundred times higher than in the poor countries

(C) $ 300 per capita GNP as benchmark

(D) Higher average income for poor countries

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और 11 से 15 तक प्रश्नों के उत्तर दें।

यह उल्लेख किया गया है कि, हालांकि एक समूह के रूप में विकसित देशों में आर्थिक विकास के मामले में कुछ समग्र परिणाम प्राप्त किए गए थे, राष्ट्रों के बीच वार्ता के ढांचे के भीतर नए अंतरराष्ट्रीय आर्थिक आदेश की स्थापना के लिए बहुत कम प्रगति हुई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1974 में अपनाए गए सिद्धांतों को लागू करने का उद्देश्य। समाजों और अर्थव्यवस्थाओं के विकास को नियंत्रित करने में निश्चित असमर्थता और अनिश्चितता के एक व्यापक रूप से व्यापक भावना के कारण, अधिकांश प्रमुख समस्याओं का समाधान खोजने के प्रयास में विश्व स्तर पर स्थिति धीमी होने से चिह्नित हुई। भविष्य। 1978 और 1980 के बीच जो परिवर्तन हुए हैं, उन्होंने केवल कठिनाइयों को बढ़ाया है, जिससे आज अंतर्राष्ट्रीय स्थिति में गिरावट की बहुत चर्चा है। यह इंसानों या समूहों या राष्ट्रों के बीच की असमानताओं के संबंध में तुरंत स्पष्ट है। कुल मिलाकर आर्थिक विषमताओं को नजरअंदाज नहीं किया गया है। कई देशों में, प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय उत्पाद $ 300 से कम रहता है, जबकि अन्य में यह इस राशि से दस, बीस या तीस गुना अधिक के स्तर पर स्थित है। कुछ अमीर देशों में, औसत आय सबसे गरीब देशों की तुलना में सौ गुना अधिक है। विशेष रूप से कठोर, राज्य की तबाही, विनाश और, सभी अक्सर, उन आबादी की बेघरता है जिन्हें इतिहास के सबसे हाल के अस्वीकारों के रूप में माना जा सकता है: सबसे गरीब देशों के विघटित जनता। इन देशों में, जिनकी आर्थिक स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, आबादी

के एक बड़े हिस्से द्वारा अनुभव की जाने वाली भूख, बीमारी और अज्ञानता की समस्याएं सभी को महसूस होती हैं लेकिन उनके साथ नकल करने के लिए किए गए लकवाग्रस्त प्रयास।

11.) आप इतिहास के हाल के नतीजों को किसे कहते हैं?

विकल्प: -

(ए) बेघर आबादी

(बी) अज्ञानी आबादी

(ग) अमीर देश

(D) जनसंख्या का बड़ा हिस्सा

12.) संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाए गए सिद्धांतों का उद्देश्य क्या था?

विकल्प: -

(ए) विकासशील देशों की आर्थिक वृद्धि में परिणाम प्राप्त करना

(बी) देशों के बीच बातचीत की अनुमति देना

(सी) एक नए अंतरराष्ट्रीय आर्थिक आदेश की स्थापना

(डी) विकासशील देशों को एक समूह के रूप में देखते हुए

13.) 1978 और 1980 के बीच हुए परिवर्तनों के कारण क्या स्पष्ट है?

विकल्प: -

(ए) मनुष्य के बीच असमानता

(बी) गरीबी में कमी

(C) अमीर देशों का समर्थन

(घ) योजना समायोजन

14.) वार्ता के दौरान राष्ट्रों द्वारा की गई कम प्रगति के कारण क्या परिणाम है?

विकल्प: -

(ए) अनिश्चित भविष्य

(बी) सोसाइटी का विकास

(सी) अर्थव्यवस्थाओं का नियंत्रण

(D) संयुक्त राष्ट्र का हस्तक्षेप

15.) आर्थिक विषमता कैसे परिलक्षित होती है?

विकल्प: -

(ए) समूहों या राष्ट्रों में व्यक्तियों को एकत्रित करना

(बी) कुछ देशों की औसत आय गरीब देशों की तुलना में सौ गुना अधिक है

(सी) बेंचमार्क के रूप में $ 300 प्रति व्यक्ति जीएनपी

(डी) गरीब देशों के लिए उच्च औसत आय